रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

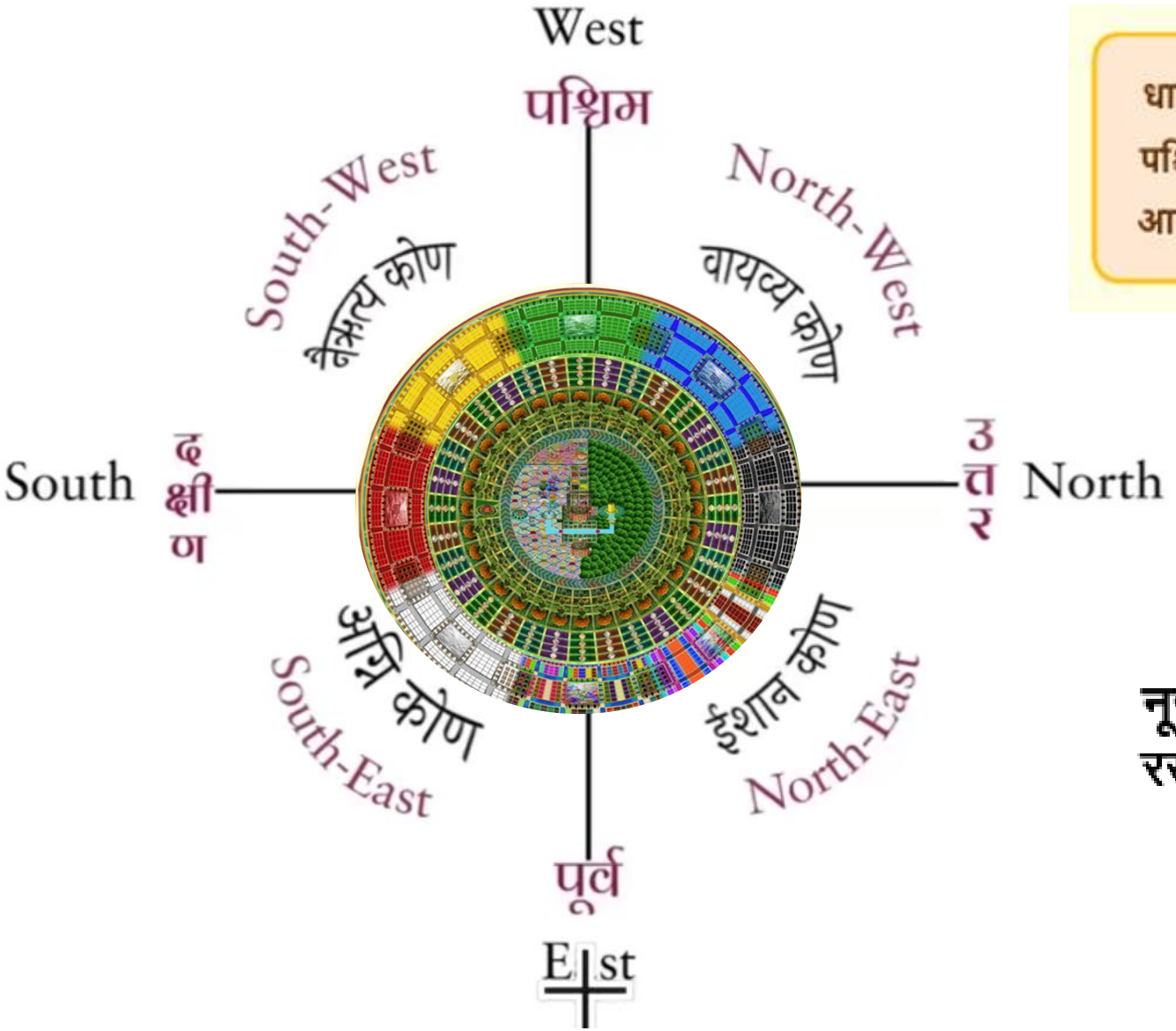

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – पाचीस पक्ष

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

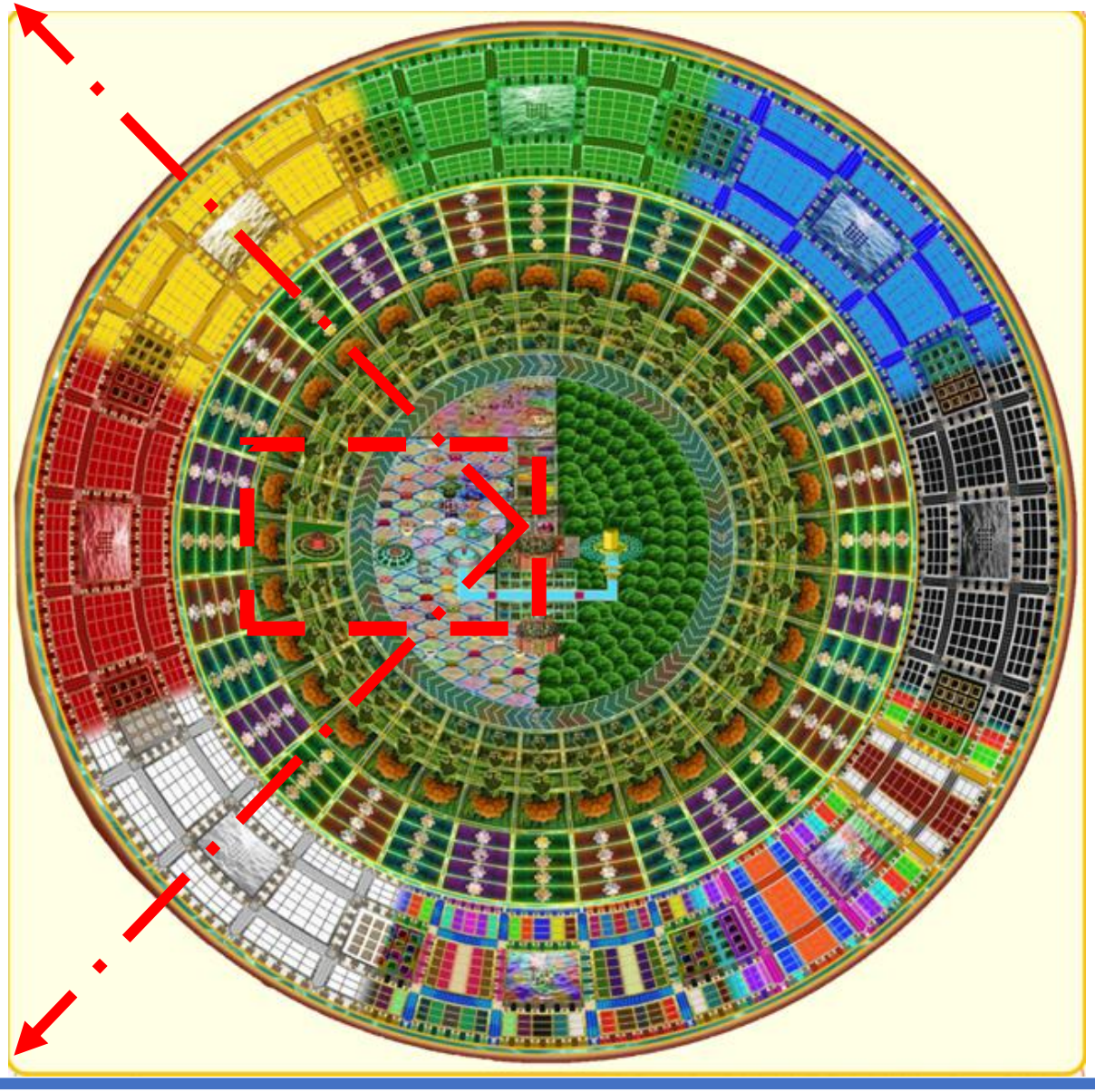

- बट पीपल की चोंकी
- ✓ कुंज निकुंज वन
- हौज कोसर
- चौबीस हांस के मोहल
- मानिक पहाड़

1 2 3

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

4

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – पाचीस पक्ष

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा - कुंज निकुंज वन

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

क्रष्ण पक्ष (वद)	
तृतीय	बट पीपल की चोंकी कुंज निकुज

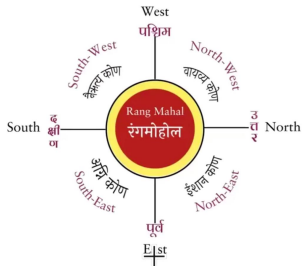

कुंज & निकुंज

- कुंज मोहल – 83 मंदिर , 2 भोम , 3rd चादनी
- निकुंज मोहल - 83 मंदिर , 2 भोम
- रेती ना चोक (मेदान)
- बड़ों वन के वृक्ष - 2 भोम , 3rd चादानी
- नहेरे & चेहबचा
- नहरे पर के महेल - 2 भोम , 3rd चादानी

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – कुंज निकुंज वन

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

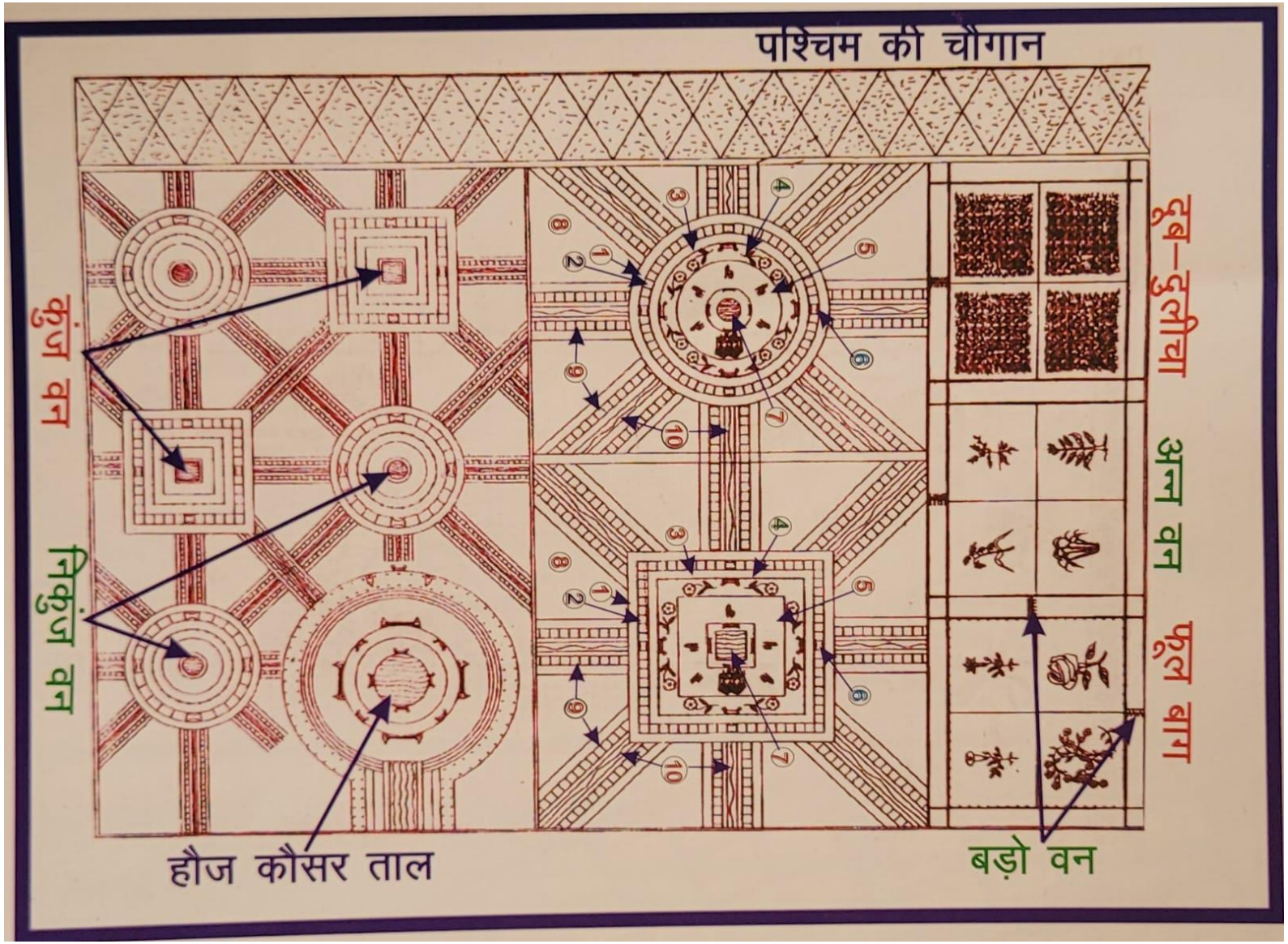

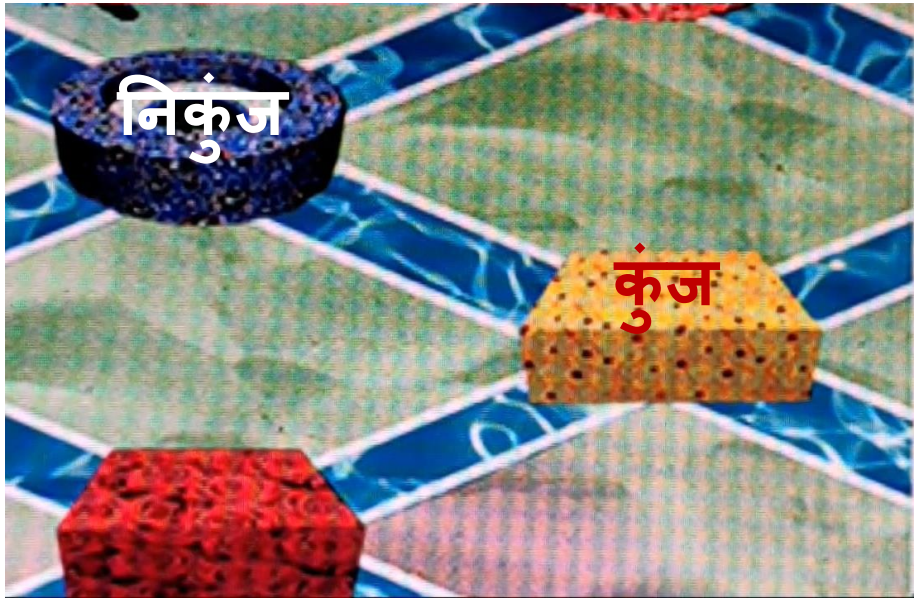

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – कुंज निकुंज वन

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

फिरते इन कुंज वन में, हक हादी देखिए जब ।
सुन्दर सरूप धनीअ का, रूह अत सुख पावत ॥३०॥
रूहें रमें कुंज वन में, शोभित सब सिनगार ।
बस्तर भूखन अंग पर, सब जानत परवरदिगार ॥३३॥

कुंज

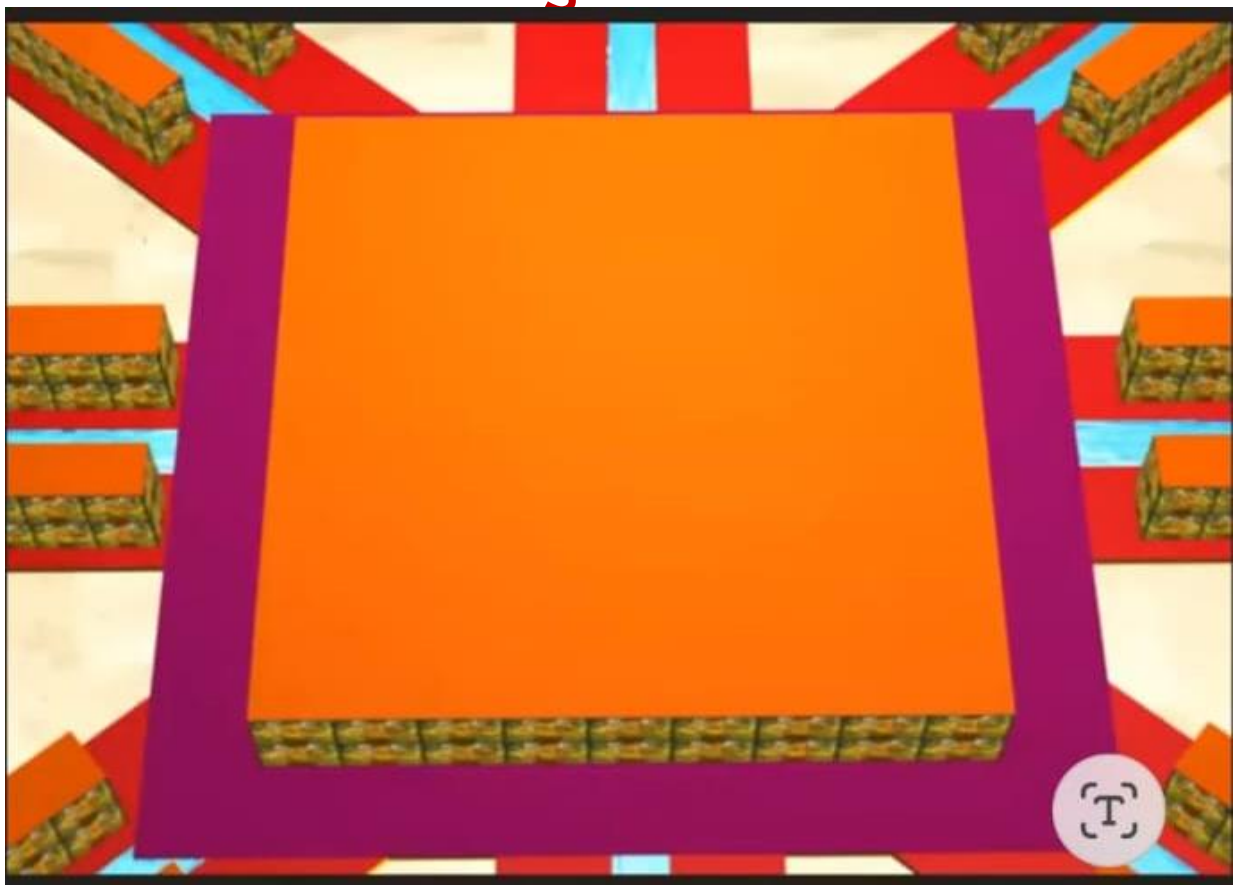

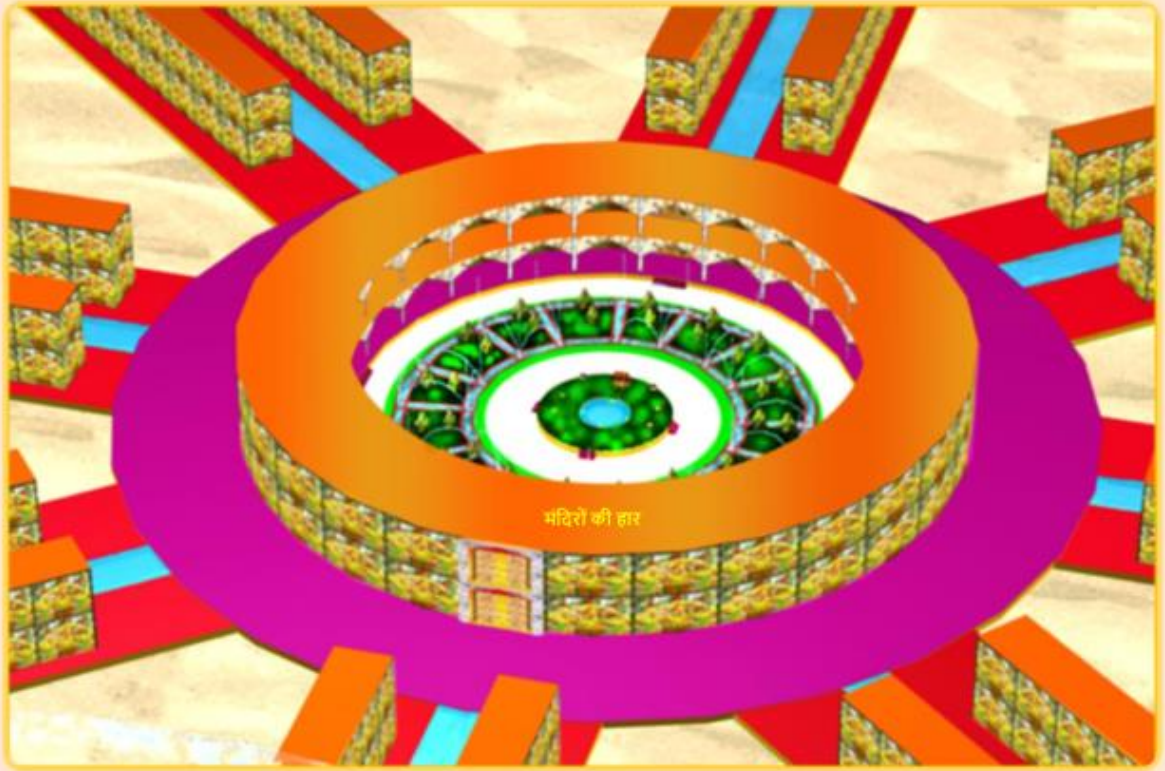

निकुंज

कोई हक हादी के संग चले, कोई आए रोकत राह दरम्यान ।
एह रामत रमें इन गली, खैंच चलत चतुर सुजान ॥५३॥
छे घड़ी लों खेलत, कई वन में करे बिलास ।
समे भया झीलन का, रहे जल क्रीड़ा की आश ॥५८॥

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – कुंज निकुंज वन

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

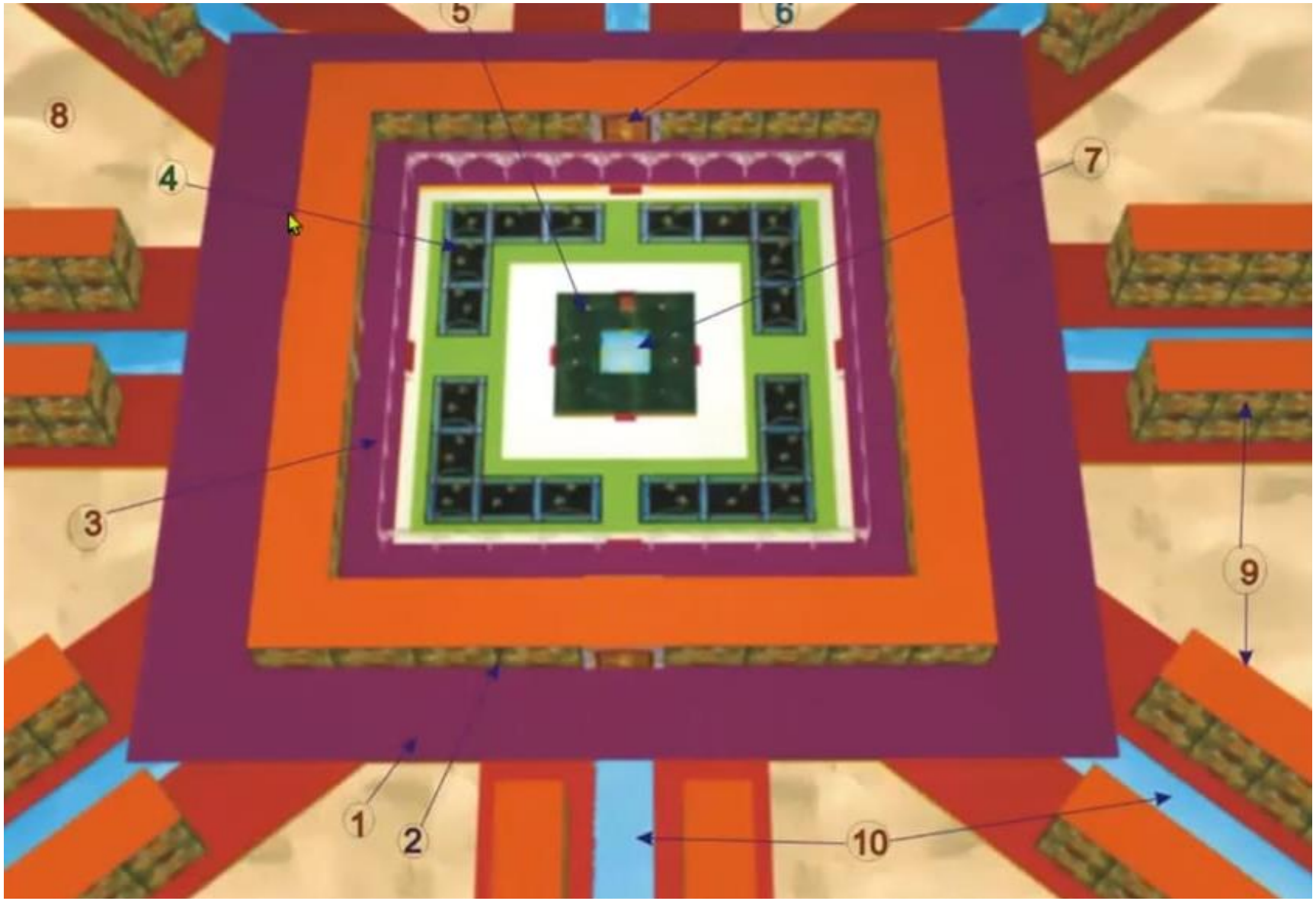

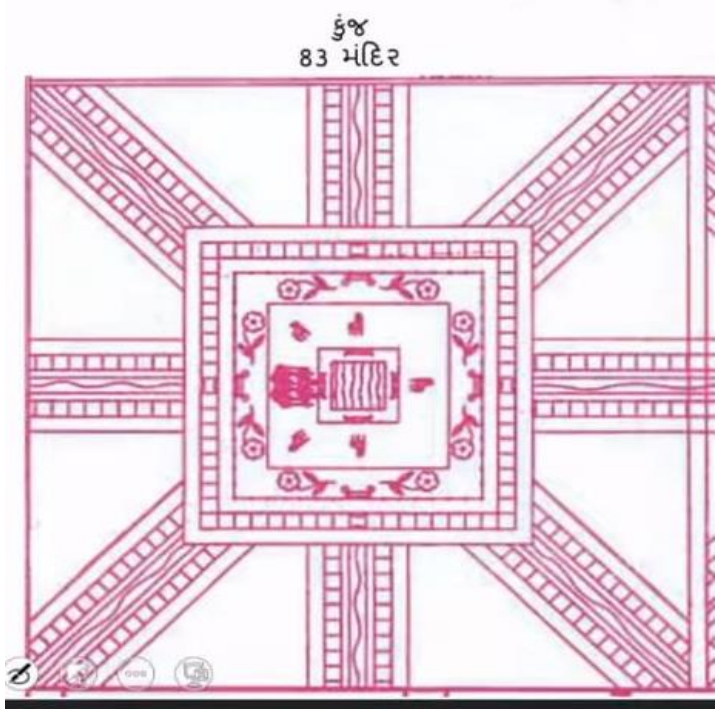

कुंज – 2 भोम & 3rd चादनी

- मंदिर
- थम्भों
- बगीचा
- चबुतरा
- कुण्ड
- रोंस

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – कुंज निकुंज वन

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

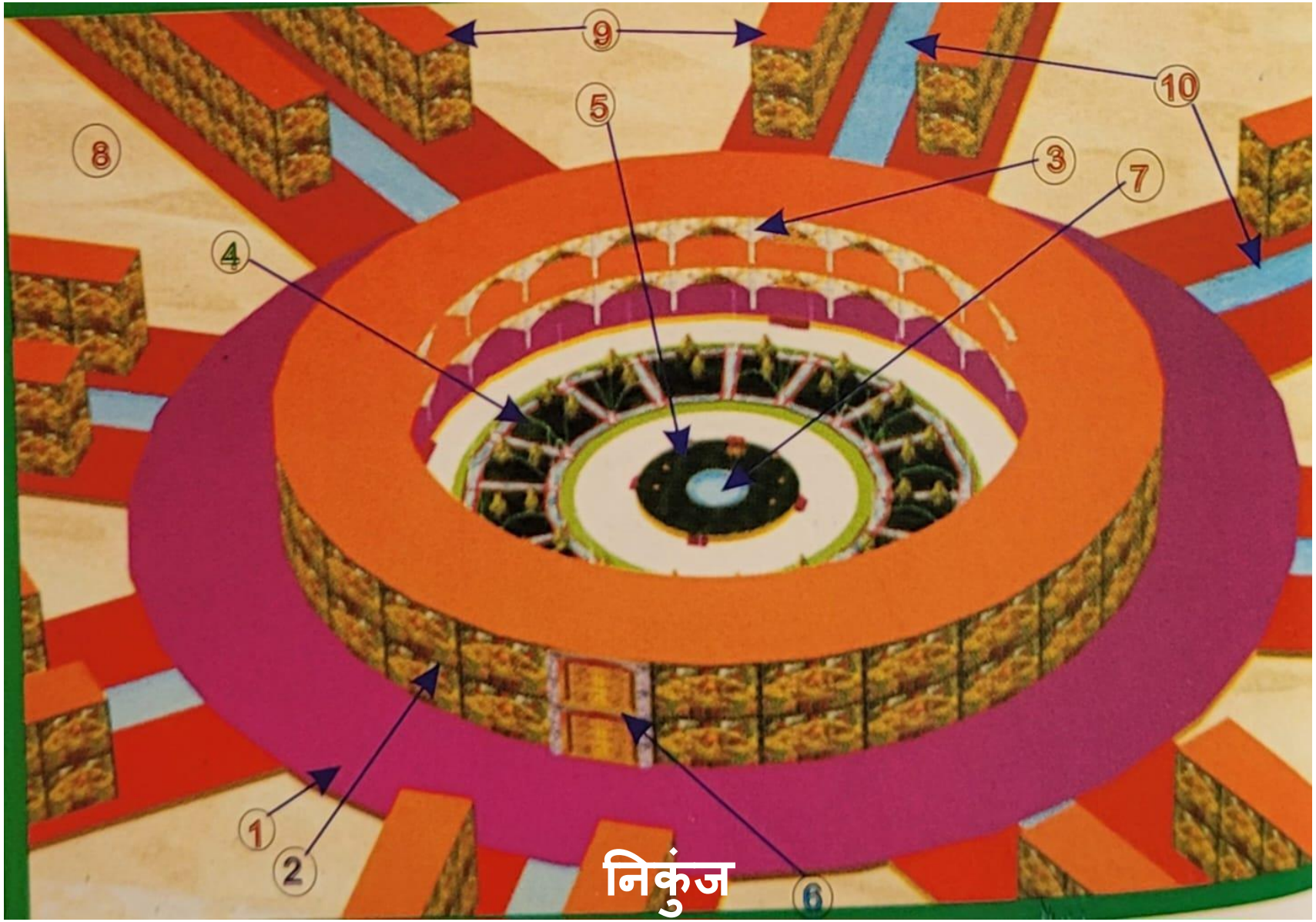

निकुंज

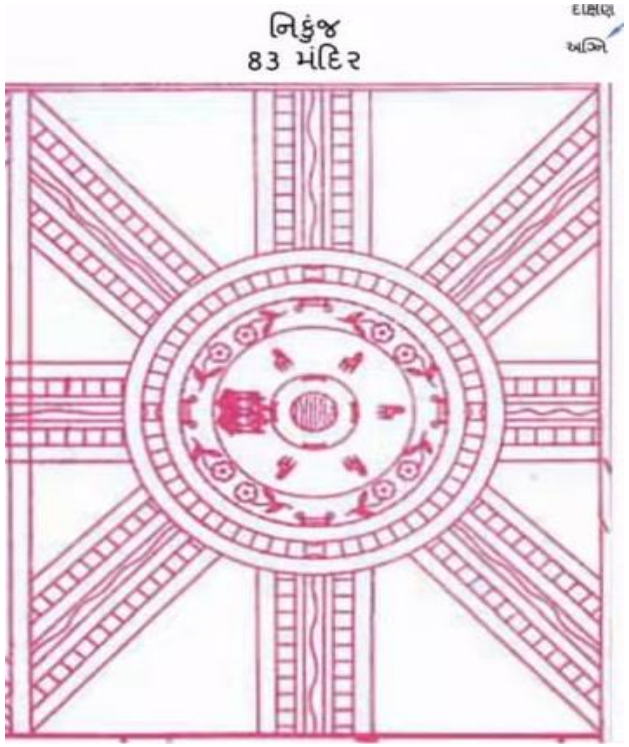

निकुंज – 2 भोम चादनी

- मंदिर
- थम्भों
- बगीचा
- चबुतरा
- कुण्ड
- रौंस

कुंजवन की रेती में, पिया चलो दौड़िये जाय।
जो जाको छुई लेत हैं, सो ताके हाथ बिकाय।।३।।

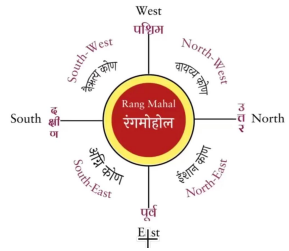

रंगमोहल दक्षिण दिसा की शोभा – कुंज निकुंज वन

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

OR